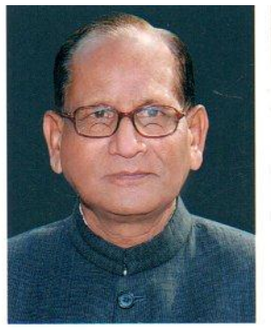

राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रख्यात समाजशास्त्री प्रो. श्यामलाल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड–2021

जयपुर– 06 जनवरी। राजस्थान विश्वविद्यालय सहित जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर एवं पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार के पूर्व कुलपति रहे देश के प्रख्यात समाजशास्त्री प्रो. श्यामलाल को दलित समाज शास्त्र के विकास एवं प्रसार मे योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (आजीवन उपलब्धि सम्मान) 2021 प्रदान किया गया है। प्रो. श्यामलाल को यह सम्मान हाल ही मुम्बई विश्वविद्याल, मुम्बई मे आयोजित 46वें भारतीय समाजशास्त्र परिषद् के सम्मेलन मे प्रदान किया गया।

प्रो. श्यामलाल को उनके समाजशास्त्र मे दिए गए विलक्षण, विद्वतापूर्ण योगदान को देखते हुए उन्हे अनेक संस्थाऐं सम्मानित कर चुकी हैं। कर्नाटक के मैसूर विश्वविद्यालय मे भी पूर्व मे आयोजित भारतीय समाजशास्त्र परिषद् के वर्ष 2013 में आयोजित 39वें आयोजन मे भी उन्हे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

समाजशास्त्र के विख्यात विद्वान प्रो. श्यामलाल अब तक 23 से अधिक शोधग्रन्थ, दलित नेतृत्व का संकट, दलित आंदोलन, दलित राजनीति, दलित गतिशीलता, डॉ. अम्बेडकर एवं दलित समाज, पर लिख चुके हैं तथा उनके विभिन्न प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं मे 50 से अधिक इनके शोध पत्र प्रकाशित एवं सम्पादित हो चुके हैं।

प्रो. श्याम लाल को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरूस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। आई.सी.एस.एस. आर भारत सरकार की ओर से प्रो. श्याम लाल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर नेशनल फैलोशिप, 2003–04, 2004–05, मे प्रदान की गयी थी। प्रो. श्याम लाल राजस्थान सरकार के कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग के अम्बेडकर फाउण्डेशन के पाण्डुलेखन समीति के अध्यक्ष का कार्य भी कर चुके हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान अनुसंधान केन्द्र के निदेशक के रूप मे भी इनकी सेवाओं का लाभ कई वर्षों तक विश्वविद्यालय को मिला है।

डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर